अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - "ज्ञानदेव अग्निहोत्री का जीवन तथा साहित्य " ८ से २१

१.१ ज्ञानदेव अग्निहोत्री का व्यक्तित्व।

१.१.१ जन्म।

१.१.२ शिक्षा।

१.१.३ नौकरी।

१.१.४ विवाह।

१.१.५ परिवार।

१.१.६ स्वभावगत विशेषताएँ।

१.१.७ मृत्यु।

१.२ ज्ञानदेव अग्निहोत्री का कृतित्व।

१.२.१ नाट्य संस्थाएँ तथा प्रयोग।

१.२.२ पुरस्कार।

१.२.३ फिल्म के लिए लेखन और वहाँ से वापसी।

१.२.४ ज्ञानदेव अग्निहोत्री का साहित्य।

निष्कर्ष :

द्वितीय अध्याय - "ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों का परिचय" २२ से ५८

२.१ चिराग जल उठा।

२.२ माटी जागी रे।

२.३ नेफा की एक शाम।

२.४ वतन की आबरु।

२.५ शुतुरमुर्ग।

२.६ अनुष्ठान।

२.७ दंगा।

निष्कर्ष :

तृतीय अध्याय - "ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना" ५९ से ७३

३.१ चेतना शब्द का अर्थ।

३.२ राष्ट्रीय चेतना का तात्पर्य।

३.३ नेताओं में राष्ट्रीय चेतना।

३.४ अधिकारियों में राष्ट्रीय चेतना।

३.५ प्रशासकों में राष्ट्रीय चेतना।

३.६ सामान्य लोगों में राष्ट्रीय चेतना।

३.७ राष्ट्र की प्रगति मे योगदान।

निष्कर्ष :

चतुर्थ अध्याय - "ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में सामाजिक चेतना" ७४ से ९०

४.१ समाज का स्वरूप।

४.२ समाज का अर्थ।

४.३ समाज की परिभाषा।

४.४ वर्तमान समाज की स्थिति।

४.५ सामाजिक समस्याओंका चित्रण।

४.६ बेकारी की समस्या के प्रति जागरूकता।

४.७ साहुकारी स्वार्थी वृत्ति का विरोध।

४.८ सामाजिक समता का समर्थन : कालबाह्य रूढियों का विरोध।

४.९ सामाजिक पतन और मूल्यों की टूटनपर व्यंग्य।

४.१० सामाजिक परिवर्तन की चेतना।

निष्कर्ष :

पंचम अध्याय - "ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटकों में मानवतावादी चेतना" ९१ से १०२

५.१ मानवतावाद की परिभाषा।

५.२ मानवतावाद की आवश्यकता।

५.३ मानवतावादी चेतना की प्रतिष्ठापना।

५.४ मानव प्रेम।

५.५ सत्य, अहिंसा और मददगारी वृत्ति का चित्रण।

५.६ भाईचारा।

५.७ मानवता का मजाक उडाने वालोंपर व्यंग्य, मानवता की महत्ता का चित्रण।

निष्कर्ष :

षष्ठ अध्याय - "मंचीयता की दृष्टि से ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटक" १०३ से ११४

६.१ रंगमंचपर दृश्य योजना।

६.२ प्रकाश योजना।

६.३ ध्वनि।

६.४ अभिनय।

निष्कर्ष :

* उपसंहार ११५ से ११७ की

* परिशिष्ट नं. १

* परिशिष्ट नं. २

* परिशिष्ट नं. ३

* परिशिष्ट नं. ४

* संदर्भ ग्रन्थ सूची

प्रथम अध्याय

"ज्ञानदेव अग्निहोत्री का जीवन तथा साहित्य"

१.१.० – *ज्ञानदेव अग्निहोत्री का व्यक्तित्व ।*

१.१.१ – जन्म ।

१.१.२ – शिक्षा ।

१.१.३ – नौकरी ।

१.१.४ – विवाह ।

१.१.५ – परिवार ।

१.१.६ – स्वभावगत विशेषताएँ।

१.१.७ – मृत्यु।

१.२ – *ज्ञानदेव अग्निहोत्री का कृतित्व।*

१.२.१ – नाट्य संस्थाएँ तथा प्रयोग।

१.२.२ – पुरस्कार।

१.२.३ – फिल्म के लिए लेखन और वहाँ से वापसी।

१.२.४ – ज्ञानदेव अग्निहोत्री का साहित्य।

निष्कर्ष :–